

२ राज नम धनार्थ (मा) मा मृ ग मा दी दि वं व ह्व
मा न ० स्व य म स न ४ वि न व म य म (य न स) का
अभा रा व स य स्वा न ४ स्व स य ॥ ला क्षी वी द

अभिलेख
ABHILAKHANA

1.280

अत्रिणी ॥ ८ ॥ कथं नैर्धरव ल। ओं ह्य आ ग यं नीं ऊं म नु यं।
 नद व क्र म यी ध्या य ध्या न का म ४ समा हि गः ॥ ९ ॥ उ ह्म सु
 टिक र्म का न्म र्म का म कू ट म लि तां। सर्व वि श्रा मि कां द वी
 ध्या य ह्म न्द न्द म लि तां ॥ १० ॥ अथ श्री देव गणेश को महा स
 न स गी सा व म लु स्य श्री ध्या य न नृ वि ह्म हा स न स गीः
 द व ना य नू द्धु न्द य द्वा द न्दी नि ती र्जं द वी य म र्जु न
 य न्म नि न कि ह्म यो लो द वी स न स गी गी की ल कं अ न न
 द व च र ग

ग य वि श्रा या स्म र्थ र्ज य वि नि या ग ॥ व अं सा न स र्ग म्
 र्गं वा क्य पृ ष्ठी क र्म य न्। ल अ वि व र्ध नं च य वि वा द वि र्ज
 यं व द ॥ ११ ॥ य न व क्र म्म लि कां द वीं उ र्गु कि म्म कि रू ल य
 दों। य ल म्म स्मो मि ना म व ऊं न म किं स न स गीं ॥ १२ ॥ उ
 यो लो द वी स न स गी स्य स्य म लु स्य रा न द्वा र्ज य वि र्ज
 य यी क्क न्दं म हा स न स गी द व ना र्जं वी र्जं म म वा कि ह्म
 श्री

(थ) जय विनि आग ॥ ॐ पुं (म) द वी स न स्व गी वा ऊं शि र्वा ऊं
 नी व नी धी ना म वि श्र व उ ॥ या वं दां ता कं ग त्वे क स्व नू या
 य न सा थ त्ता ना म नू या त्प ना वा का सा मां पा उ स न स्व गी
 न ॥ ॐ पुं (म) द वी स न स्व गी वा ऊं शि र्वा ऊं
 ॐ म हा स न स्व गी द वं ता की वी ऊं म म का क सि द्ध (थ) जय वि
 नि आ ग ॥ आ ना दि वा वृ ह स्य ग ॥ य व्व ना दा स न स्व गी च
 ऊ ना ग नु य दं रु व न्द वी रु रु वा ल्म चृ ना जी न नू मा

नार पादि ४

मू १ गूपा १ पादि ना २

ना वा य न म नी श्च (म) पुं ॥ या सां (ग) पां ग व द वृ च उ (थ)
 छे के व गी य न ॥ अ द्वे ना व क्ता ॥ न कि सा मां पा नु स न
 स्व गी ती ॥ ॐ पुं (म) द वी स न स्व गी वा ऊं शि र्वा ऊं
 मे धू च्छु न्द ॥ ॐ पुं (म) द वी स न स्व गी वा ऊं शि र्वा ऊं
 द व ता सो वी ऊं म म का क सि द्ध (थ) जय वि नि आ ग ॥
 ॐ या व का न ॥ स न स्व गी वा ऊं शि र्वा ऊं नी व नी य
 ऊं व सु धि या व स्र म अ न्क यी म्मा त्म ना वि न्द यी सा व

स्क
१
२
३

कति अहं निम्न इति दित्यादि नूयं सा मां वा सुस वः
स्वती ॥ ५ ॥ ॐ आद जगो एव स मनु स मधु नु नु नु
विगम्य गी च न्द ॥ श्री महा स व स्व नी दे व गा दुं वी रं
मम वा क सि र्ध र्थ र्थ यं वि नि या ग ॥ या द यि गी स च न
गा नां च गी स म नी नां य ई द ध स व स्व नी या व ह्नु य
द वा क्थ र्थ स नू य ल वि व र्त्त न्ना न्ना दि नि ध ना न न्ना

सु स व स्व नी ॥ ५ ॥ ॐ म हा नु नु स व स्व नी स व
मनु स मधु नु नु नु वि ॥ म य गी च न्द ॥ श्री महा स व स्व
नी दे व गा दुं वी रं मम वा क सि र्ध र्थ र्थ यं वि नि या ग ॥

ॐ म हा नु नु स व स्व नी यु व न य गि क नु ना वि या वि ग्ग
वि ग द नि ॥ अथा स म धि दे व अ द वा नां स म्मा गी न्व नी
य स मा र्ग व द नी या सा मां वा सु स व स्व नी ॥ १० ॥ ॐ
मां

अस्मादिवागीत्यस्य मनुस्य मधुचुन्दः पृथिवी गायत्री च
न्दः श्रीमहासुवस्य गीदवगा **ॐ** वीरं मम वाकसिद्धय
रूपे विनियोगात् **ॐ** चत्वारिंशत् त्रिंशत् त्रिंशत् त्रिंशत्
त्रिदुर्गाश्च यमपीषितोऽनुहा गीलिनिहिता नञ्जयं
ति तु गीर्वाणामनुशावर्दनि ॥ या युर्युगं दृष्टि रुरु
ने वेष्टमानान् रुयगं । वाविनीरुद्रि नृये कासा मां वा

उसुवस्य गी ॥ १८ ॥ **ॐ** यद्वा गी दगीत्यस्य मनुस्य गायत्री च
नेमिपृथिवी च्छुचुन्दः श्रीमहासुवस्य गीदवगा **ॐ** वी
रं मम वाकसिद्धय रूपे विनियोगात् **ॐ** यद्वा गी दगीत्य
विचरानानि नोक्षीदवानां निषसादमनुचगं **ॐ** यद्वा
इह यथांसि कसिदस्याऽयव मंरु यमनामना र्योदि
रिष्टं देव वृथा यो वि कल्य गानि द्वि कल्यात्म नायका

[illegible]

ह वंति यो॥ स च्च का म दू द्या (धनः सा मां या दु स व स्व गी ॥
॥ २० ॥ उं उ ग ल ॥ पञ्च नि त्य स्य म नु स्य वि ग्ग मि ग ज्ज वि ॥
वि दू च्च न्द ॥ गी म हा स व स्व गी द व गी दों वी रं म म ल क
सि द्ध (य क य वि नि या ग ॥ उं उ ग ल ॥ य ग्ग न द द र्ग द्या
च ग्ग ग ल ॥ ग्ग व न्द ॥ ग्ग ल्य नो उ भा ल्व स्मे ग ल्वा वि मु
धं मुं का य ल्वा उ न गी सू त्रा मा हा या वि दि त्वा वि ल्वा न्द वं धं

त्रिर्मध्यमस्तवर्धनायागीयान्नि यवं स्मृत्तं सामं द. उ
 सत्रस्य ती॥२१॥ **ॐ** अं वि ग म ॐ ए ह्य म ले म्य अ रि म वि
 ऽ रि ष्ट यु न्द ऽ श्री म ह्य म त्र सु नी दे व ना श्री **वी** ॐ म म वा क
 सि ह्यार्थं रु य वि नि यो ग धा ॥ **ॐ** अं वि ग म न दी ग म द वि
 न म स त्र स्य ती **ॐ** य भ ष्ठा ॐ व स्म सि यु ग सि म व न स
 धि ॥ ना म गू या त्म कं स र्वं य स्या मा वि श म यू न ऽ ध्या य नि
 व र

आशा अरुदाधि
 ASHA ARCHIVE

1.280

कौं वली मालिका मा ता नं क न क न ला य वि ल स न्म
 का व ली (म) लि ता । स र्वे द्वा न नि धान य स्त क ध रा व
 डा क मा सा ध रा वा (ग) द वी व द नां वू ऊ व स ए म गे सा क मा
 ना चि तं ॥ ३६ ॥ आ क न्द न्द गु षा न हा न ध व ला या भुः
 य व सु वृ ना या वी नो व द धु म छि त क मा या (ग) द न य
 आ म ना । या व का य न र्भा क न य ए नि रि द्द वे ॥ स दा

(मगधमि)
 द कि ता सा मा पा ए स व सु गी नि ॥ (म) व डा शा या हा ॥
 ॥ ४० ॥ दा रि य का च उ रि ॥ सु गि क म नि म यी म क मा
 लां द धा नां रु मे ने क न य वं सि त म वि च शु र्क य स्त
 र्क वा य नं । आ मा क न्द न्द र्ग ख सु टि क म नि ला ला सः
 मा ना स मा ना सा म वा (ग) द वी नो व स गु व द न स र्व
 दा स य स न्ना ॥ ४१ ॥ या नं क श ध रा वा वी वी म य स्त
 ॥ ४२ ॥

कक्षात्रिती। मम वक्तुं वसुनि र्यं इन्द्र कन्द नृ नि र्मला
॥ ४१ ॥ ॐ ह्योस्वै लायन ॐ दं निरु गम म द या ४ रु नि
सम स्मरु ल सा ग निं दान रु नै उ ग त्य ० नृ द्वि ज व न ४
क वि ना म ये नि स श्री लि वा च्छि त रु ला नृ य या नि गी
द्यु ॥ ४३ ॥ ॐ ह्यो १ ॥ अ क मू ख्ये १ यु नि दि न मू व मि स्म
नि या रा कि न म् वा ली वा च स्य नृ न य वि दि न वि रा

वा वा क्य दृ ति कृ प य १ ग स्या दि द्वा रा रा स ग मि ट ग ग
तं व नृ न सा द वी सो रा ग्यं ग स्य ला क य स व नि क वि ना
वि द्वा म र्म य या नि ॥ ४४ ॥ ॐ ह्यो नृ ला य न या क्क द
॥ की श्री म हा स्व व स्व ती स्म। गुं सं दू र्क ॥ ॥
॥ अथ स व स्व लो ना ध ना नि य मा ॥ र नृ नृ स व स्व ती
नि र्म म ना नि य नि व र्क य ॥ ॥ आ प्रा गं य र्क न वि

मद्रुकनकुलादयः॥ गुरुनाशयदिगच्छसु
दाख्यायत्रियकुं॥ निगमसूदीयगुं॥ होचयावेमं
अयत्रियकुं॥ सुखादायानिचैसंम्यकुरास्तथा
रात्रथीलेकुं॥ वाचासिद्धिमवाप्तानिवाचस्यनि
विवायमहा॥ १०॥ गुरुसर्वस्वनिंत्यामाधनिय
मा॥ ॥ सं०५५५वे०॥ दक्षमीपत्रनुकाजीवनलिप्ति

दिनश्चिस्तिनं ॥ श्रीचक्रयातिगर्मा ॥

अद्यादि ॥ अमुककृतं गतं ॥ श्री आश्वलायनया कृदशास्त्रकी
 श्री महासत्रसूती कृतं मध्यममुचः कथं सत्रसूतं प्रापि त्रित्या
 दिसौलभ्यं गतं स्यात् ॥ के प्रसन्नतिकविता विद्युमस्य प्रयात्तात्वं तं
 आद्यात्रस्या यावत् समाप्तिदिनं तावत् ॥ ३ ॥ विष्णुश्रौतार्थं त्रि॥ सदा
 वर्तयिष्यामहे कति श्रुतं ॥ ३ ॥ विष्णुश्रौतार्थं त्रि॥ सदा

मिन शुग्नि हाग कृ पावरे ॥

२५७७ आ बक बा। बा।
२५७८ क बा। बा। बा।
२५७९ बा। बा। बा। बा।

[illegible]

K L M N O P Q R
 K L M N O P Q R
 K L M N O P Q R
 K L M N O P Q R
 K L M N O P Q R

K L M N O P Q R

K	L	M	N	O	P	Q	R
K	L	M	N	O	P	Q	R
K	L	M	N	O	P	Q	R
K	L	M	N	O	P	Q	R